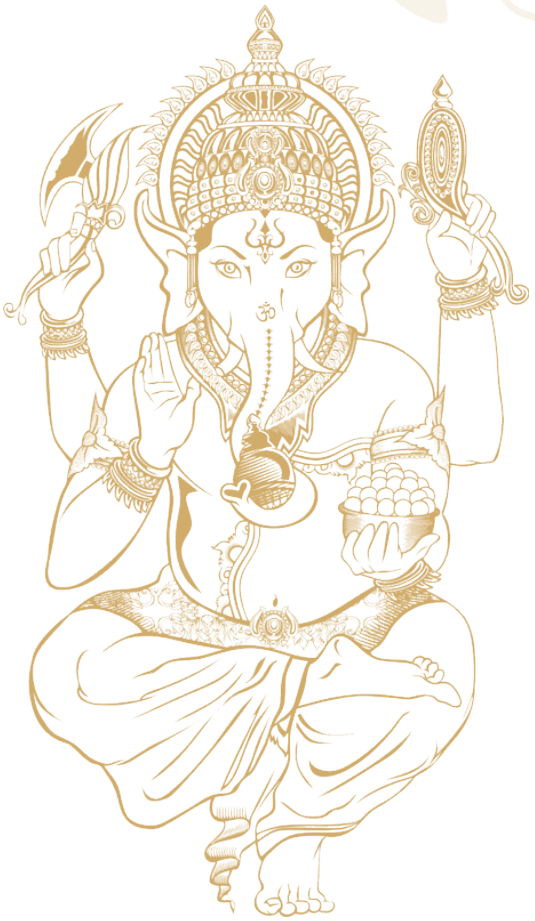

Mr.

08 Oct 2005

10:13 PM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119693302

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
08/10/2005	जन्म तिथि	**8-09/10/2025**
शनिवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 22:13:00	जन्म समय	01:12:06 घंटे
घटी 39:47:33	जन्म समय(घटी)	47:15:05 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:17:58	सूर्योदय	06:18:04
18:00:10	सूर्यास्त	17:58:53
23:56:11	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:04

मिथुन	लग्न	कर्क
बुध	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
वृश्चिक	राशि	मेष
मंगल	राशि-स्वामी	मंगल
ज्येष्ठा	नक्षत्र	भरणी
बुध	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
3	चरण	1
सौभाग्य	योग	हर्षण
कौलव	करण	गर
यी-यीशू	जन्म नामाक्षर	ली-लीना
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
कीटक	वश्य	चतुष्पाद
मृग	योनि	गज
राक्षस	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	मृग
20	गत/तत्कालिक वर्ष	21

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
मृगशिरा	4	05:13:11	मिथु			लग्न			कर्क	14:07:38	4	पुष्य
हस्त	4	21:33:51	कन्या			सूर्य			कन्या	21:33:51	4	हस्त
ज्येष्ठा	3	24:39:28	वृश्चि			चंद्र			मेष	14:52:26	1	भरणी
कृतिका	1	29:05:29	मेष	व		मंगल			तुला	17:00:10	4	स्वाति
चित्रा	4	06:01:48	तुला		अ	बुध			तुला	08:57:33	1	स्वाति
चित्रा	3	02:16:53	तुला		अ	गुरु			मिथु	29:07:31	3	पुनर्वसु
अनुराधा	2	06:47:27	वृश्चि			शुक्र			सिंह	29:30:16	1	उ०फाल्गुनी
पुष्य	4	15:35:29	कर्क			शनि	व		मीन	02:57:52	4	पू०भाद्रपद
रेवती	1	19:41:08	मीन	व		राहु	व		कुंभ	23:55:21	2	पू०भाद्रपद
हस्त	3	19:41:08	कन्या	व		केतु	व		सिंह	23:55:21	4	पू०फाल्गुनी
शतभिषा	3	13:29:23	कुंभ	व		मु			कुंभ	05:13:11	4	धनिष्ठा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:04

लग्न-चलित

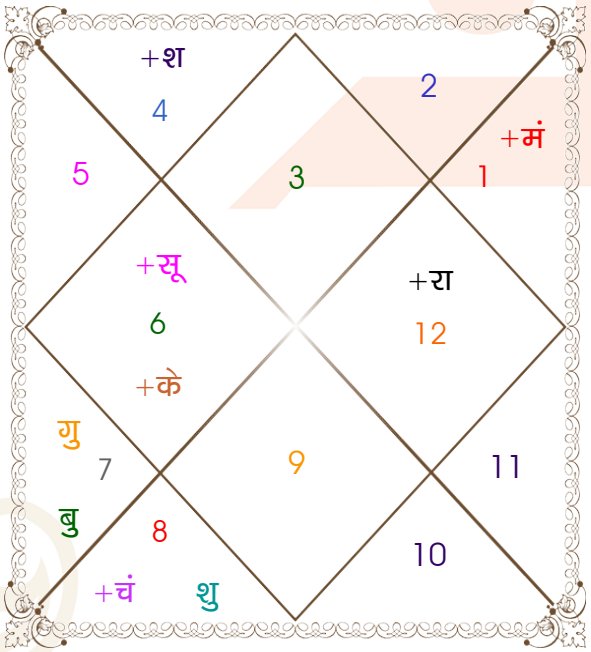

वर्ष लग्न कुंडली

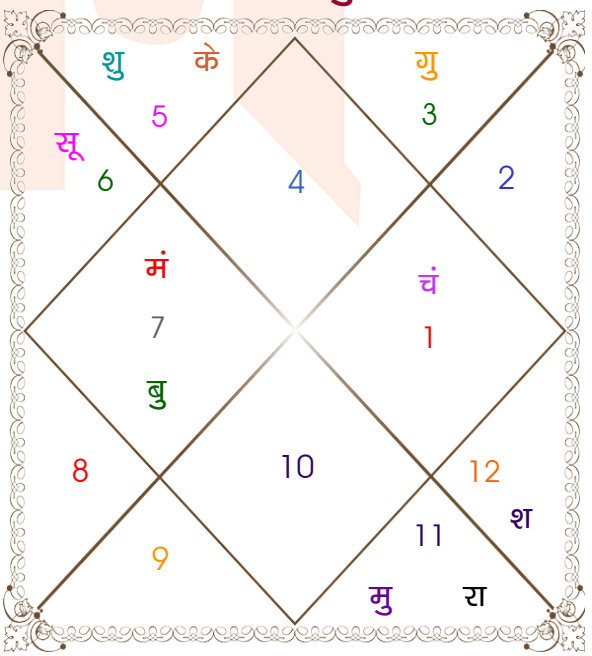

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - मंगल - राहु		शुक्र - मंगल - गुरु		शुक्र - मंगल - शनि		शुक्र - मंगल - बुध	
25/08/2025 22:29		28/10/2025 20:32		24/12/2025 16:08		02/03/2026 03:24	
28/10/2025 20:32		24/12/2025 16:08		02/03/2026 03:24		01/05/2026 12:14	
राहु	04/09/2025 12:35	गुरु	05/11/2025 10:20	शनि	04/01/2026 08:31	बुध	10/03/2026 16:39
गुरु	13/09/2025 01:08	शनि	14/11/2025 10:15	बुध	13/01/2026 21:55	केतु	14/03/2026 05:10
शनि	23/09/2025 04:01	बुध	22/11/2025 11:25	केतु	17/01/2026 20:22	शुक्र	24/03/2026 06:38
बुध	02/10/2025 05:20	केतु	25/11/2025 18:58	शुक्र	29/01/2026 02:15	सूर्य	27/03/2026 07:05
केतु	05/10/2025 22:50	शुक्र	05/12/2025 06:14	सूर्य	01/02/2026 11:13	चंद्र	01/04/2026 07:49
शुक्र	16/10/2025 14:30	सूर्य	08/12/2025 02:25	चंद्र	07/02/2026 02:09	मंगल	04/04/2026 20:20
सूर्य	19/10/2025 19:12	चंद्र	12/12/2025 20:03	मंगल	11/02/2026 00:36	राहु	13/04/2026 21:39
चंद्र	25/10/2025 03:02	मंगल	16/12/2025 03:35	राहु	21/02/2026 03:30	गुरु	21/04/2026 22:50
मंगल	28/10/2025 20:32	राहु	24/12/2025 16:08	गुरु	02/03/2026 03:24	शनि	01/05/2026 12:14

शुक्र - मंगल - केतु		शुक्र - मंगल - शुक्र		शुक्र - मंगल - सूर्य		शुक्र - मंगल - चंद्र	
01/05/2026 12:14		26/05/2026 08:48		05/08/2026 09:18		26/08/2026 16:39	
26/05/2026 08:48		05/08/2026 09:18		26/08/2026 16:39		01/10/2026 04:54	
केतु	02/05/2026 23:02	शुक्र	07/06/2026 04:53	सूर्य	06/08/2026 10:52	चंद्र	29/08/2026 15:40
शुक्र	07/05/2026 02:27	सूर्य	10/06/2026 18:07	चंद्र	08/08/2026 05:29	मंगल	31/08/2026 17:23
सूर्य	08/05/2026 08:17	चंद्र	16/06/2026 16:09	मंगल	09/08/2026 11:19	राहु	06/09/2026 01:14
चंद्र	10/05/2026 10:00	मंगल	20/06/2026 19:35	राहु	12/08/2026 16:01	गुरु	10/09/2026 18:52
मंगल	11/05/2026 20:48	राहु	01/07/2026 11:15	गुरु	15/08/2026 12:12	शनि	16/09/2026 09:48
राहु	15/05/2026 14:17	गुरु	10/07/2026 22:31	शनि	18/08/2026 21:09	बुध	21/09/2026 10:32
गुरु	18/05/2026 21:50	शनि	22/07/2026 04:24	बुध	21/08/2026 21:36	केतु	23/09/2026 12:15
शनि	22/05/2026 20:17	बुध	01/08/2026 05:52	केतु	23/08/2026 03:26	शुक्र	29/09/2026 10:17
बुध	26/05/2026 08:48	केतु	05/08/2026 09:18	शुक्र	26/08/2026 16:39	सूर्य	01/10/2026 04:54

शुक्र - राहु - राहु		शुक्र - राहु - गुरु		शुक्र - राहु - शनि		शुक्र - राहु - बुध	
01/10/2026 04:54		14/03/2027 13:36		07/08/2027 16:00		28/01/2028 03:51	
14/03/2027 13:36		07/08/2027 16:00		28/01/2028 03:51		01/07/2028 09:24	
राहु	25/10/2026 20:36	गुरु	03/04/2027 01:07	शनि	04/09/2027 03:17	बुध	19/02/2028 03:38
गुरु	16/11/2026 18:34	शनि	26/04/2027 04:18	बुध	28/09/2027 17:09	केतु	28/02/2028 04:58
शनि	12/12/2026 19:09	बुध	16/05/2027 21:03	केतु	08/10/2027 20:03	शुक्र	25/03/2028 01:53
बुध	05/01/2027 01:59	केतु	25/05/2027 09:35	शुक्र	06/11/2027 18:01	सूर्य	01/04/2028 20:10
केतु	14/01/2027 16:05	शुक्र	18/06/2027 17:59	सूर्य	15/11/2027 10:13	चंद्र	14/04/2028 18:38
शुक्र	11/02/2027 01:32	सूर्य	26/06/2027 01:18	चंद्र	29/11/2027 21:12	मंगल	23/04/2028 19:57
सूर्य	19/02/2027 06:46	चंद्र	08/07/2027 05:30	मंगल	10/12/2027 00:06	राहु	17/05/2028 02:47
चंद्र	04/03/2027 23:30	मंगल	16/07/2027 18:03	राहु	05/01/2028 00:40	गुरु	06/06/2028 19:31
मंगल	14/03/2027 13:36	राहु	07/08/2027 16:00	गुरु	28/01/2028 03:51	शनि	01/07/2028 09:24

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट तथा परेशानियां प्राप्त होती रहेंगी फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी एवं स्वभाव में क्रोध की अधिकता रहेगी जिससे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं व्याकुलता का भाव इसमें विद्यमान रहेगा। इस समय वाणी के दोष के कारण समाज में आपके अनादर की संभावना रहेगी। साथ ही बुद्धि भी मध्यम रहेगी तथा किए हुए कार्यो से आपको विशेष लाभ नहीं होगा तथा इनमें किंचित समस्याएं उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन भी अल्प मात्रा में ही करेंगे। इस समय संतति पक्ष से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा। साथ ही मित्र एवं संबंधियों से भी संबंधों में तनाव रहेगा तथा इनसे विशेष लाभ नहीं होगा ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी एवं लाभ मार्ग भी अवरूद्ध रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में उन्नति में विलम्ब तथा समस्याएं रहेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न रहेंगे जिससे उनका सहयोग भी अल्प ही रहेगा। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा आपको इससे परेशानी रहेगी।इस समय किसी झूठी गवाही को देकर आप अनावश्यक कष्ट की भी प्राप्ति करेंगे तथा समाज में मान प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी कष्ट एवं दुःख प्राप्त हो सकता है। अतः ऐसे समय को आप शान्ति एवं संयम पूर्वक व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा ।साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए।धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे।इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे।अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें।व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकद्दमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है।इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।